चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	04.02.24	03	5-8

आज भी पुस्तकों का महत्व बरकरार : कुलपति

हरियाणा कृषि विवि के स्थापना दिवस पर दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी लगाई

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में शहरवासियों ने पुस्तकों को खरीदा। पुस्तक प्रदर्शनी में मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज पहुंचे, जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही है। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि पुस्तकें इन्सान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। पुस्तकालय उपयोगिकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थी वर्ग को ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस व ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्या ले रहे हैं। नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेंटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफ्रेड डिस्कवरी प्लेटफार्म की सदस्यता ली है।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डा. केडी शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। आधुनिक विषय वस्तु के साथ करीब 40 हजार पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें 14 पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उच्चतम गुणवत्ता की पुस्तकों का चयन किया जाना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बलवान सिंह मंडल, डा. राजीव पटेरिया, डा. सीमा परमार भी मौजूद रहे।

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज

पुस्तकालयाध्यक्ष डा. केडी शर्मा ने बताया कि प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नालोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया है। वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डाटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल और चार हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	04-02-24	10	2-5

पुस्तकों के अध्ययन से मिलती एकाग्रता : काम्बोज

■ नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में पहुंचे कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। सर्द मौसम के चलते दोनों दिन काफी संख्या में शहरवासी विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शनी में लगी विभिन्न विषयों की पुस्तकों का लाभ उठाया। पुस्तक प्रदर्शनी में शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे और जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही विवि के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित शहरवासियों से मुलाकात की और पुस्तक प्रदर्शनी में लगी पुस्तकों के बारे में उनसे प्रतिक्रिया ली। मुख्य अतिथि प्रो. काम्बोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है।

हिसार। पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

2.50 लाख ई-पुस्तकें

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	04-02-24	03	03

प्रदर्शनी में किताब देखते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। संवाद

पुस्तकों का महत्व बरकरार : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार है। पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं। नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफ्रेड डिस्कवरी प्लेटफार्म की सदस्यता ली है। इस दौरान विवि के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार आदि मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	04.02.2024	--	--

एचएयू के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू लाइब्रेरी में पुस्तक प्रदर्शनी

सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज पहुंचे। जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। मुख्यातिथि प्रो. बीआर. काम्बोज ने बताया सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व और पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही हैं। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व आध्यात्मिक विकास भी होता है।

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा ने इस दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। आधुनिक विषय वस्तु के साथ करीब 40 हजार पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें 14 पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	04.02.2024	--	--

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनैट विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार : प्रो. काम्बोज

हिसार, 3 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित 2 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों ने भी हिस्सा लिया।

पुस्तक प्रदर्शनी में आज बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पहुंचे, जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित शहरवासियों से मुलाकात की और पुस्तक प्रदर्शनी में लगी पुस्तकों के बारे प्रतिक्रिया ली।

उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनैट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। पुस्तकालय उपयोगिकर्त्ताओं विशेषकर विद्यार्थी वर्ग को ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी शर्मा ने इस 2 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के बारे बताया कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्त्ता लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	04.02.2024	--	--

सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार: प्रो. बीआर काम्बोज

➪ कहा-पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला।

पुस्तक प्रदर्शनी में आज बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज पहुंचे, जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित शहरवासियों से मुलाकात की और पुस्तक प्रदर्शनी में लगी पुस्तकों के बारे में उनसे प्रतिक्रिया ली। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही है। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती है। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। पुस्तकालय उपयोगिकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थी वर्ग को ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस व ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिसर्च डिस्कवरी प्लेटफार्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब वाउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। मुख्यातिथि ने नेहरू पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी शर्मा ने इस दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	03.02.2024	--	--

सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार : प्रो. बी.आर. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। सर्द मौसम के चलते दोनों दिन काफी संख्या में शहरवासी विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शनी में लगी विभिन्न विषयों की पुस्तकों का लाभ उठाया। पुस्तक प्रदर्शनी में आज बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पहुंचे, जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित शहरवासियों से मुलाकात की और पुस्तक प्रदर्शनी में लगी पुस्तकों के बारे में उनसे प्रतिक्रिया ली। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही है। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति

का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। पुस्तकालय उपयोगिकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थी वर्ग को ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस व ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्या ले रहे हैं। नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेंटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफेड डिस्कवरी प्लेटफार्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। मुख्यातिथि ने नेहरू पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी शर्मा ने इस दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नोलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.02.2024	--	--

सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व बरकरार : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 3 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर नेहरू पुस्तकालय में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अलावा शहरवासियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। सर्द मौसम के चलते दोनों दिन काफी संख्या में शहरवासी विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदर्शनी में लगी विभिन्न विषयों की पुस्तकों का लाभ उठाया। पुस्तक प्रदर्शनी में आज बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पहुंचे, जहां उन्होंने पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों सहित शहरवासियों से मुलाकात की और पुस्तक प्रदर्शनी में लगी पुस्तकों के बारे में उनसे प्रतिक्रिया ली। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी व इंटरनेट के विकास के बावजूद पुस्तकों का महत्व तथा पुस्तक मेलों की चमक बरकरार है। हर साल नई पुस्तकें बाजार में आ रही है। पुस्तक प्रदर्शनी में पुस्तक प्रेमियों को एक छत के नीचे विभिन्न प्रकाशकों की पुस्तकों को देखने व खरीदने का सुअवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। इसलिए इनके गहन अध्ययन से न केवल मन को एकाग्रता मिलती है बल्कि व्यक्ति का मानसिक व अध्यात्मिक विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर सेवाएं दे रहे हैं। पुस्तकालय उपयोगिकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थी वर्ग को ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस व ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं। नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सोसोएसएचएस् ई-लाइब्रेरी नाम से रिफ्रेड डिस्कवरी प्लेटफार्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सोसोएसएचएस् के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। मुख्यातिथि ने नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी शर्मा ने इस दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नोलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.50 लाख ई-पुस्तकें, 3500 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4 हजार से अधिक ई-थीसिस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। आधुनिक विषय वस्तु के साथ करीब 40 हजार पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें 14 पब्लिशर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उच्चतम गुणवत्ता की पुस्तकों का चयन किया जाना है ताकि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में उनकी उपलब्धता आसानी से हो सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कल्याण सिंह मंडल, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार भी मौजूद रहे।

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

Haryana Agricultural University scientists develop new wheat variety with less water requirement

Tribune News Service

Hisar, February 2

Scientists of Wheat and Barley Section at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) have developed a new high yielding wheat variety - WH 1402 – that requires just two spells of irrigation and moderate fertilisers.

This variety was most suitable for plains of Punjab, Haryana, Rajasthan, Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu and Kashmir, HAU vice chancellor Prof BR Kamboj said here on Thursday.

The average yield of this variety can be 50 quintals per hectare and maximum yield can be 68 quintals per hectare in just two water-spraying sessions, Kamboj said.

He said the variety was also resistant against yellow rust, brown rust and other diseases, and it gives 7.5 per cent more yield than NIAW 3170 - a good variety in low water zones.

The vice chancellor said the new variety has been released at the national-level for sandy, less fertile and less water availability areas.

"It is recommended to use pure nitrogen 90 kg, phosphorus 60 kg, potash 40 kg and zinc sulphate 25 kg per hectare. It will help stop over-exploitation of groundwater in areas where the water table has depleted deeper. It will prove to be a boon for areas with less water," he said.

Agriculture College Dean Dr SK Pahuja said they recommend sowing of this variety in the last week of October to the first week of November and the quantity of seeds should be 100 kg per hectare. "It is also a good variety in terms of nutritional value of grain."

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	05-02-24	02	02-08

फरवरी में उगाईं सब्जियां देंगी अच्छी आमदनी

माई सिटी रिपोर्टर

कृषि वैज्ञानिकों की किसानों को सलाह... खेत में उचित नमी का रखें खास ध्यान

वसंतकालीन सब्जियों के लिए यह माह हैं सबसे उपयुक्त, दो महीने में मिलेगा उत्पादन

हिसार। वसंतकालीन बेल वाली सब्जियों को लगाने के लिए फरवरी का महीना उत्तम है। ये सब्जियां डेढ़ से दो माह में उत्पादन देने लगेंगी। किसान वैज्ञानिक तरीके से खेती करके और उचित प्रबंधन करके अच्छा फायदा उठा सकते हैं। बसंतकालीन टमाटर, बैंगन, मिर्च के अलावा कद्दू प्रजाति की सब्जियों के लिए यह उपयुक्त समय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मुताबिक अगेती फसल अच्छी आमदनी दे सकती है। कद्दू जाति की अन्य सब्जियों की बिजाई का समय फरवरी-मार्च है। इसके अलावा गर्मी की अन्य सब्जियां, जैसे ग्वार, शकरकन्दी (तनों के लिए) तथा लोबिया की बिजाई अभी भी की जा सकती है। अरबी की बिजाई भी इसी समय हो सकती है। एक एकड़ खेत हेतु बिजाई के लिए 320-400 कि.ग्रा. गांठों की आवश्यकता होगी। भिंडी का उत्पादन भी फायदेमंद रहेगा। खेत में उचित नमी का ध्यान रखें।

> बेल वाली सब्जियां लगाने के लिए फरवरी का महीना उत्तम है। अगर अभी भिंडी लगा दें तो 45 दिन बाद उत्पादन मिलने लगेगा। मिर्ची भी 60 दिन में तैयार हो जाएगी। बाजार में जल्दी फसल आने से किसानों को उचित लाभ मिलेगा।
>
> -डॉ. सुरेश तेल्हान
> सब्जी विशेषज्ञ, एचएयू।

अगेती खेती में प्लास्टिक प्रोट्रेस विधि मददगार

प्लास्टिक प्रोट्रेस विधि द्वारा कद्दू जाति की अन्य सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने से फरवरी के शुरू में रोपाई की जा सकती है, जिसके फलस्वरूप एक से दो महीने पहले फसल ली जा सकती है।

- *इस विधि के तहत खेत में लगे पौधों की जमीन को चारों तरफ से प्लास्टिक फिल्म द्वारा सही तरीके से ढका जाता है। यह फिल्म कई प्रकार और कई रंगों में आती है।*

टमाटर : पौधे लगाने से 20 दिन पहले डालें गोबर की खाद

इस मास वसंतकालीन फसल के लिए तैयार खेत में पौधरोपण करें। खेत तैयार करने के लिए एक एकड़ में 10 टन गोबर की सड़ी खाद, 40 किलोग्राम नाइट्रोजन (88 किलोग्राम यूरिया खाद्दू, 2.5 किलोग्राम फास्फोरस (150 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) तथा 20 किलोग्राम पोटाश (32 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश) डालें। गोबर की खाद को आमतौर पर पौधरोपण से लगभग 3 सप्ताह पहले खेत में भली प्रकार बिखराकर मिला लें। पौधरोपण के समय 1/3 नाइट्रोजन तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा दें। पौधरोपण में कतारों में 60 सेंमी की दूरी तथा पौधों में 45 से 60 सेंमी की दूरी रखें।

- पौधरोपण के बाद एक हल्की सिंचाई अवश्य करें। पाला की आशंका होने पर रात के समय खेत के आसपास खरपतवार व फूस जलाकर धुआं करें। सफेद मक्खी को मारने के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 200-250 लीटर पानी में प्रति एकड़ 15 दिन के अंतर पर छिड़कते रहें ताकि मरोड़िया रोग न लगे। पौधों को पाला या कोहरे के प्रति प्रतिरोधी बनाने के लिए साइकोसिल दवा का पौधशाला में छिड़काव करें।

बैंगन... प्रमाणित बीज ही लगाएं पौधरोपण के बाद हल्की सिंचाई दें

वसंतकालीन फसल के लिए खेत की तैयारी करें। तैयारी लगभग टमाटर की ही तरह करें। परंतु खाद की मात्रा में फास्फोरस 20 किलोग्राम (120 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) व पोटाश 10 किलोग्राम (16 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश) प्रति एकड़ की दर से दें। पौधरोपण कतारों में 60 सेंमी की दूरी पर करें तथा पौधों से पौधों की दूरी 45 सेंमी रखें। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए सिफारिशशुदा किस्में, जैसे कि हिसार प्रगति, हिसार श्यामल या बी आर-112 या एच एल बी-25 या हिसार बहार किस्मों को प्रयोग में लाएं। पौधरोपण के बाद खेत में हल्की सिंचाई देना आवश्यक है।

सब्जी का नाम, बीज की मात्रा बोने की दूरी, किस्में (प्रति एकड़)

लौकी : 2 किग्रा. 2 मी. 60 सेंटीमीटर. पूसा समर प्रोलिफिक (लंबी व गोल)

चप्पन कद्दू : 2 किग्रा. 60-90 सेंमी. 45-60 सेंमी. पूसा अलंकार, बीकानेरी ग्रीन, हिसार सिलेक्शन-1, हिसार टिण्डा-10

टिण्डा : 2 कि.ग्रा. 125-150 सेंमी. 45-60 सेंमी. हिसार टिण्डा-10

करेला : 2 कि.ग्रा. 125-150 सेंमी. 20-45 सेंमी. कोयम्बटूर लौंग, पूसा दो मौसमी

तोरी : 2 कि.ग्रा. 180-240 सेंमी. 45-60 सेंमी. पूसा चिकनी, पूसा नसदार

खीरा : 1 कि.ग्रा. 150 सेंमी. 45-60 सेंमी. जापानी लौंग ग्रीन

ककड़ी : 1 कि.ग्रा. 150 सेंमी. 60-75 सेंमी लखनऊ अर्ली व करनाल सलेक्शन

मिर्च...30 से 45 सेमी रखें पौधे से पौधे की दूरी

वसंतकालीन फसल के लिए मिर्च की पौध की खेत में रोपाई करें। कतारों की दूरी 45 से 60 सेमी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 से 45 सेमी. रखें। लंबी किस्मों में एन पी 46ए या पूसा ज्वाला, पंत सी-1, हिसार शक्ति या हिसार विजय को प्रयोग में लाएं तथा शिमला मिर्च में कैलिफोर्निया वण्डर नामक किस्म को प्रयोग में लाएं। खेत तैयार करते समय प्रति एकड़ की दर से खाद व उर्वरक का प्रयोग करें-10 टन गोबर की सड़ी खाद, 25 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (55 कि.ग्रा. यूरिया खादद्ध, 12 कि.ग्रा. फास्फोरस (72 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) तथा 12 कि.ग्रा. पोटाश (20 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाशद्ध। पौधरोपण के समय आधी नाइट्रोजन व पूरी फास्फोरस व पोटाश दें। गोबर की खाद को जुताई करते समय, पौधरोपण के लगभग 3 सप्ताह पहले खेत में भली प्रकार बिखराकर जुताई करें।